बहरीन में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रवासी भारतीय समुदाय को माननीय अध्यक्ष का संबोधन

किंगडम ऑफ बहरीन में भारत के राजदूत, श्री पीयूष श्रीवास्तव जी;
भारत की संसद के प्रिय साथियो;
बहरीन में प्रवासी भारतीय समुदाय के सदस्यगण;
देवियों और सज्जनों;
नमस्कार.

———

आज यहां बहरीन की इस पवित्र भूमि पर आप सभी के बीच आकर मुझे और मेरे संसदीय शिष्टमंडल के सदस्यों को बहुत खुशी हो रही है। इस देश के लोगों और प्रवासी भारतीय मित्रों द्वारा जिस उत्साह और गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया गया है, जो आदर-सत्कार मिला है, उसके लिए मैं अपने साथी संसद सदस्यों और अपनी ओर से आप सभी का हृदय से बहुत आभार व्यक्त करता हूँ।

साथियों, आज जब मुझे आप लोगों से मिलने का मौका मिला है, मैं समझता हूँ कि यह अवसर हमारे अपनों से, बहरीन के लाखों मित्रों से जुड़ने का है, उनसे दिली संवाद करने का है। यहाँ इस सभा में हजारों की आपकी उपस्थिति अनेकता में एकता के भव्य रंगों से सजी हुई है। यही तो हमारी शक्ति है, जो पूरी दुनिया को चकित करती है।

भारत और बहरीन के बीच संबंध सिर्फ दो देशों का नहीं है, यह मानवीय संवेदनाओं का है, सांस्कृतिक मूल्यों का है। यह संभव हुआ है, आप लोगों की मेहनत से, आपकी निष्ठा, और आपकी कर्मशीलता से। आप लोग अपनी जन्मभूमि और अपनी कर्मभूमि, दोनों के लिए अमूल्य निधि रहे हैं। वैश्वीकरण के इस युग में, प्रवासी भारतीय हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करके हर जगह अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं और पूरे गौरव के

साथ दूसरे देशों में न केवल भारत के सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभा रहे हैं बल्कि वहाँ के सामाजिक आर्थिक जीवन में भी अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हैं।

भारत और बहरीन प्राचीन सभ्यता वाले आधुनिक देश हैं। दोनों देशों के बीच सौहार्दपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध हैं। हमारी लंबे समय से चली आ रही मित्रता, साझा संस्कृति और विरासत के बल पर दोनों देश के लोगों, विशेष रूप से हमारे युवाओं के बीच संबंध और घनिष्ठ हुए हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान हमारे संबंधों को न सिर्फ मजबूती मिली है बल्कि उनमें और अधिक विविधता आई है। पिछले साल बहरीन का अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में 86वें सदस्य के रूप में शामिल होना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा है। भारत बहरीन स्थित कम्बाइंड मैरिटाइम फ़ोर्सेस (सीएमएफ) में 'एसोसिएट पार्टनर' के रूप में शामिल हो गया है।

वर्ष 2014 में महामहिम किंग हमाद बिन इसा अल खलीफा के भारत दौरे के परिणामस्वरूप हमारे द्विपक्षीय संबंधों को एक नया आयाम मिला है।

वर्ष 2019 में हमारे माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी का बहरीन दौरा यहाँ किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला आधिकारिक दौरा था। किंगडम ऑफ बहरीन के साथ द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में उनके द्वारा किए गए प्रयासों को पहचानते हुए महामहिम ने उन्हें बहरीन के उच्च सम्मान से सम्मानित किया, जो पूरे भारत के लिए गर्व की बात है और बहरीन और भारत के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक है।

देवियो और सज्जनो, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक आदान-प्रदान का इतिहास 5000 वर्ष पुराना है, जिसकी शुरुआत बहरीन में दिलमन सभ्यता के दौरान और भारत में सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान हुई थी। आज जब हम 21वीं सदी में जी रहे हैं, तो हम सभी का साझा प्रयास है, उन हजारों साल पुराने रिश्तों को नई ताजगी और आधुनिकता देने का, दोनों देशों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का।

आज भारत विश्व भर में सबसे अधिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर वाले देशों में से एक है। बढ़ते प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और एफआईआई का परिणाम है कि हमारी अर्थव्यवस्था पर अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संकट का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। भारत बहरीन में छठा सबसे बड़ा निवेशक है और पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में भी भारी वृद्धि दर्ज की गई।

हाल के समय में, भारत में बहरीन से होने वाला भी निवेश बढ़ा है और मुझे आशा है कि आने वाले समय में इसमें और वृद्धि होगी। पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाने के अलावा विकास के नए क्षेत्रों में भी बढ़ाने भी काम हुआ है।

मुझे यह जानकर खुशी है कि परंपरागत क्षेत्रों के अतिरिक्त अब नए और उभरते हुए क्षेत्रों, जैसे - सूचना प्रौद्योगिकी, फिनटेक, स्पेस टेक्नॉलजी, नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग निरंतर बढ़ रहा है।

जहां संबंध अटूट हो, संभावनाएं अपार हों, और आपसी रिश्ते विश्वास की नींव पर बने हो, उसकी प्रगति में कोई भी चीज कभी बाधक नहीं बन सकती है। भारत और बहरीन के बीच सहयोग इसी मूल भावना को दर्शाता है। चाहे कोविड-19 जैसे वैश्विक महामारी से निपटने में हर तरह के सहयोग की बात हो, या तत्काल आधार पर नि:शुल्क चिकित्सा आपूर्ति और राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य हो, मैं भारतीय समुदाय का विशेष ध्यान रखने के लिए बहरीन के नेतृत्व की, यहाँ के लोगों की सराहना करता हूँ, उनका आभार व्यक्त करता हूं।

साथियों, दोनों देशों का रिश्ता सिर्फ सरकारों का नहीं, सामाजिक संस्कारों का भी रहा है। आप सभी को याद होगा कि अपने बहरीन दौरे के दौरान श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस क्षेत्र के सबसे पुराने मंदिर, 200 वर्ष से भी अधिक पुराने, श्रीकृष्ण मंदिर के पुनर्विकास की

आधारशिला रखी थी। ये मंदिर आपकी आस्था का और बहरीन की विविधता का जीता-जागता प्रतिबिंब है।

यह अत्यंत गर्व की बात है कि देश से इतनी दूर रहने के बावजूद आपने अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान बनाई हुई है। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि बहरीन सरकार ने हाल ही में बीएपीएस स्वामी नारायण मंदिर के लिए भूमि आवंटित की है। यह दर्शाता है कि बहरीन का दर्शन धार्मिक सहिष्णुता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व वाला है और यह यहाँ रहने वाले भारतीय समुदाय के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

बहरीन में बड़ी संख्या में रह रहा भारतीय समुदाय हमारे दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है। भारतीय समुदाय यहाँ की कुल आबादी का लगभग एक चौथाई भाग है और यहाँ का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। आप बहरीन में रच-बस गए हैं और आप न सिर्फ भारत के समृद्ध इतिहास, सांस्कृतिक विविधता और विरासत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं बल्कि यहाँ के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि आप बहरीन में भारतीय समुदाय के 30 पंजीकृत सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों/ क्लबों और अन्य गैर-पंजीकृत संगठनों के माध्यम से हमारी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। ये संगठन/ क्लब भारतीय शास्त्रीय नृत्यों, संगीत और कलाओं सहित भारतीय कला तथा संस्कृति को बढ़ावा दे रहे हैं।

यह अत्यंत गर्व की बात है कि यहाँ के भारतीय समुदाय ने बहरीन में व्यापार, राजनीति, सामाजिक मामले, विज्ञान, संस्कृति, आदि जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और स्पष्ट छाप छोड़ी है। भारतीय समुदाय की सत्यनिष्ठा, विश्वसनीयता और पेशेवर क्षमता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बहरीन का शायद ही ऐसा कोई व्यापारिक

संगठन होगा जिसमें वरिष्ठ या मध्यम स्तर पर कोई भारतीय कर्मचारी न हो और जो उस संगठन के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाता हो।

इसी का परिणाम है कि यहाँ के नेतृत्व ने बहरीन के विकास और प्रगति में भारतीय प्रवासी लोगों के योगदान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है और भारतीय समुदाय/कार्यबल की सुरक्षा और कल्याण को सुनिश्चित करने की दिशा में तत्पर रहा है।

बहरीन के इतिहास और प्रगति में भारतीय समुदाय के योगदान को देखते हुए दिसंबर, 2015 में मनामा सौक एरिया के केंद्र में 'लिटिल इंडिया इन बहरीन' प्रोजेक्ट शुरू किया गया और यहाँ पर लगने वाले नियमित बाजार, फैशन शो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से यह पर्यटकों के लिए पसंदीदा स्थल बना हुआ है।

पिछले कुछ वर्षों में कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम और बहरीन में रूपे कार्ड की शुरुआत करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हो, या, दोनों देशों के शिष्टमंडल के सदस्यों का बहरीन द्वारा आयोजित बहरीन इंटरनेशनल एयर शो और मनामा डायलॉग; तथा भारत द्वारा आयोजित डिफेंस एक्सपो, इंटरपोल जनरल असेंबली और विभिन्न मंत्री-स्तरीय सम्मेलन में भाग लेना हो, यह दोनों देशों के रिश्तों में जुड़ते नए आयाम का प्रतीक है।

आप जैसे लाखों भारतीय पूरे विश्व के साथ भारत के रिश्तों की मजबूत कड़ी हैं। भारत का सम्मान आप प्रवासी भारतीयों से हैं। भारत जिस तरह हर परिस्थिति में, हर अच्छे-बुरे वक्त में आपके साथ खड़ा रहा है, उसी विश्वास और मजबूती के साथ आगे भी आपके साथ खड़ा रहेगा।

इस विश्वास के साथ कि भारत सरकार प्रवासी भारतीयों के साथ जुड़ने और उन्हें भारत की विकास गाथा का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, मैं भारतीय समुदाय से, आप सभी से, अपने अच्छे कार्यों और सर्वोत्तम प्रयासों को जारी रखने और भारत एवं भारतीयों के लिए गौरव और समृद्धि अर्जित करने की अपील करता हूं।

मैं इस अवसर पर, हमारे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने हेतु बहरीन के नेतृत्व के विज़न और मार्गदर्शन के साथ ही भारतीय समुदाय के प्रति सदैव सौहार्द और स्नेह का भाव रखने के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

साथियों, यह वर्ष भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है, क्योंकि इस वर्ष भारत जी-20 और एससीओ दोनों ही समूहों की अध्यक्षता करेगा। "वसुधैव कुटुम्बकम' -' एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की अपनी समग्र प्रयास की सोच के साथ, भारत 32 अलग-अलग कार्यक्षेत्रों में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकों की मेजबानी करेगा। और जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि भारत की जी-20 की अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और कार्योन्मुखी होगी, यह दर्शाता है कि इसका समग्र लाभ पूरे विश्व को मिलेगा।

मेरा विश्वास है कि यह मेहमानों के लिए भारत की समृद्ध आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत, सतत और समावेशी विकास की आधारशिला को करीब से अनुभव करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा।

इस विशेष और ऐतिहासिक अवसर के लिए हर भारतीय ने कुछ न कुछ संकल्प लिए हैं। मैं आपसे भी आग्रह करता हूँ कि आप भी अपने स्तर पर कुछ नए संकल्प लें और जो एक हमारी अनवरत यात्रा चल रही है, उसमें अपना योगदान देते रहें।

मुझे विश्वास है कि आज जब दोनों देश अपने साझा हितों और साझा मूल्यों के लिए काम कर रहे हैं, आप जैसे लाखों दूत इस साझा रिश्तों की डोर को और ताकत देंगे। इन्हीं शब्दों के साथ, मैं, शिष्टमंडल की ओर से और अपनी ओर से, मैं एक बार पुन: इस धरती का, आप सभी का और विशेष रूप से, भारत के माननीय राजदूत, श्री पीयूष श्रीवास्तव जी को धन्यवाद देता हूं ।

जय हिन्द!

———